18-02-2023

राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण

समाचार पत्रों में क्यों?

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा, केंद्र ने डोमिसाइल की जरूरत खत्म करने का निर्णय लिया है और सभी राज्यों को इसके बारे में सूचित कर दिया गया है। अब जरूरतमंद व्यक्ति देश के किसी भी राज्य में जाकर अंग प्राप्त करने के लिए पंजीकरण करा सकता है और प्रत्यारोपण भी करवा सकता है। राज्यों की दान नीति के तहत अंग दान करने के लिए जरूरतमंद व्यक्ति के अधिवास की जरूरत होती है।

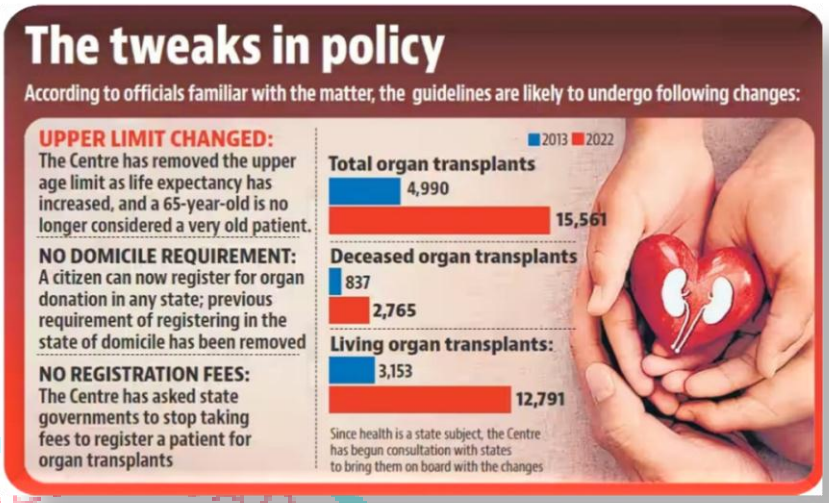

त्वरित मुद्दा?

- केंद्र ने राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन के दिशा-निर्देशों में एक खंड को हटाने का फैसला किया है, क्योंकि यह खंड जीवन के अधिकार का हनन करता है।
- दिशा-निर्देशों के अनुसार, 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों पर अंग प्राप्त करने और अंग दान के लिए पंजीकरण कराने पर प्रतिबंध है। हालांकि, केंद्र ने इस उम्र सीमा को खत्म करने का फैसला किया है। सूत्र ने कहा कि अब किसी भी उम्र का व्यक्ति अंग प्राप्त करने के लिए पंजीकरण करा सकेगा।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 मानव अंगों को अलग करने तथा इनके भंडारण के लिये विभिन्न नियम निर्धारित करता है। मानव अंगों के व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगाने के लिये यह चिकित्सीय उपयोग हेतु मानव अंगों के प्रत्यारोपण को विनियमित करता है।
- अधिक अवधि तक के जीवन के उद्देश्य से ऊपरी आयु सीमा को हटा दिया गया है।
- इससे पहले NOTTO (नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइज़ेशन) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, 65 वर्ष से अधिक आयु के अंतिम चरण के अंग विफलता रोगी अंग प्राप्त करने के लिये पंजीकरण करने हेतु प्रतिबंधित थे।

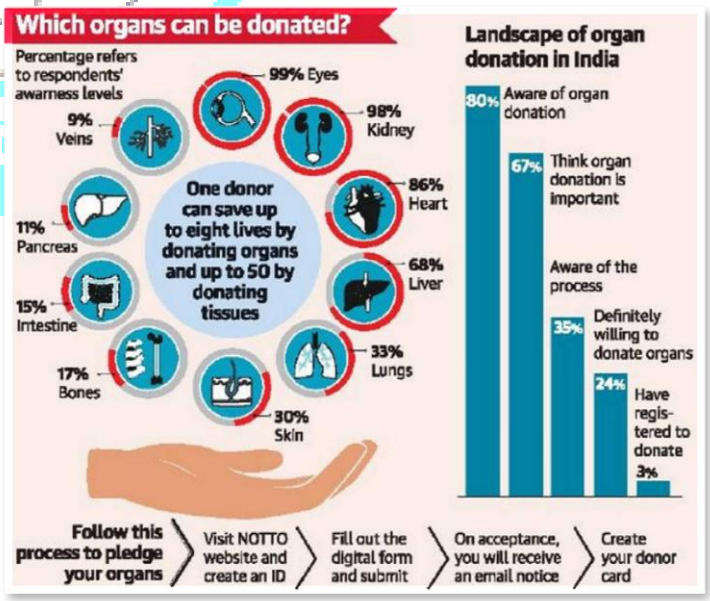

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 'वन नेशन, वन पॉलिसी' के तहत किसी विशेष राज्य में अंग प्राप्तकर्त्ता के रूप में पंजीकरण के लिये डोमिसाइल/अधिवास की अनिवार्यता को हटा दिया है।

- अब कोई ज़रूरतमंद मरीज़ अपनी पसंद के किसी भी राज्य में अंग प्राप्त करने के लिये पंजीकरण करा सकता है और वहाँ सर्जरी भी करवा सकेगा।
- केंद्र ने ऐसे पंजीकरण हेतु शुल्क लेने वाले राज्यों से कहा है कि वे ऐसा न करें।
- पंजीकरण के लिये शुल्क लेने वाले राज्यों में गुजरात, तेलंगाना, महाराष्ट्र और केरल शामिल हैं।
- कुछ राज्यों में अंग प्राप्तकर्त्ता प्रतीक्षा सूची वाले मरीज़ से पंजीकृत करने के लिये 5,000 रुपए से 10,000 रुपए तक मांग की जाती है।
- NOTTO की स्थापना नई दिल्ली में स्थित स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत की गई है।
- NOTTO का राष्ट्रीय नेटवर्क प्रभाग देश में अंगों एवं ऊतकों के दान और प्रत्यारोपण के लिये खरीद, वितरण और पंजीकरण हेतु अखिल भारतीय गतिविधियों के शीर्ष केंद्र के रूप में कार्य करता है।
- केंद्र प्रत्यारोपण के लिये एक राष्ट्रीय नीति बनाने की दिशा में मानव अंग प्रत्यारोपण (संशोधन) अधिनियम, 2011 के नियमों में बदलाव करने की योजना बना रहा है।
- वर्तमान में विभिन्न राज्यों में अलग-अलग नियम हैं; केंद्र सरकार नियमों में बदलाव पर विचार कर रही है ताकि देश भर के सभी राज्यों में एक मानक मानदंड का पालन किया जा सके।

अन्य प्रमुख तथ्य?

भारत में अंग प्रत्यारोपण का परिदृश्य

- अंगों के प्रत्यारोपण के मामले में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है।
- वर्ष 2022 में सभी प्रत्यारोपणों में मृतक दाताओं के अंग लगभग 17.8% थे।
- मृतक अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या वर्ष 2013 में 837 से बढ़कर वर्ष 2022 में 2,765 हो गई।
- अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या- मृतक और जीवित दाताओं दोनों के अंगों के साथ वर्ष 2013 के 4,990 से बढ़कर वर्ष 2022 में 15,561 हो गई।
- हर साल अनुमानतः 1.5-2 लाख लोगों को किडनी ट्रांसप्लांट की ज़रूरत होती है।

- हालाँकि स्वास्थ्य राज्य सूची का विषय है, इस कारण केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए नियम राज्यों पर बाध्यकारी नहीं होंगे।
- इन कदमों का उद्देश्य मानव अंगों की प्राप्ति हेतु सुधार और अधिक न्यायसंगत पहुँच के साथ-साथ शव दान को बढ़ावा देना है, जो वर्तमान में भारत में किये गए सभी अंग प्रत्यारोपणों के नगण्य हिस्से के बराबर है।

अग्रदूत 2023

समाचार पत्रों में क्यों?

रिज़र्व बैंक ने 'समावेशी डिजिटल सेवाएं' थीम के साथ अपने दूसरे वैश्विक हैकाथॉन – 'अग्रदूत 2023 – परिवर्तन के लिए नवाचार' की घोषणा की। हैकाथॉन के लिए पंजीकरण 22 फरवरी, 2023 से शुरू होगा।

त्वरित मुद्दा?

- इसे भारत के भीतर और अमेरिका, ब्रिटेन, स्वीडन, सिंगापुर, फिलीपींस और इज़राइल सहित 22 अन्य देशों से टीमों द्वारा प्रस्तुत 363 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- भारतीय रिजर्व बैंक ने हैकाथॉन अग्रदूत-2023 की घोषणा कर दी है जिसका 22 फरवरी से रजिस्ट्रेशन शुरू होगा।
- इसमें ब्रिटेन, अमेरिका सहित दुनिया के 22 देश हिस्सा लेने वाले हैं।
- यह निम्नलिखित समस्या विवरणों के लिए नवोन्मेषी विचारों को आमंत्रित करता है:
- दिव्यांगों के लिए नवोन्मेषी, उपयोग में आसान, डिजिटल बैंकिंग सेवाएं।
- विनियमित संस्थाओं (आरई) द्वारा अधिक कुशल अनुपालन की सुविधा के लिए रेगटेक समाधान।
- ऑफलाइन मोड में लेनदेन सहित सीबीडीसी - खुदरा लेनदेन के लिए उपयोग के मामलों / समाधानों की खोज करना।
- लेनदेन प्रति सेकंड (टीपीएस) / थ्रूपुट और ब्लॉकचेन की मापनीयता बढ़ाना।

- हैकाथॉन के विजेता को 40 लाख रुपये और उपविजेता को 20 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। पहला हैकाथॉन नवंबर 2021 में घोषित किया गया था। केंद्र सरकार पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर से विस्थापित व्यक्तियों के प्रतिनिधियों के नामांकन के माध्यम से विधान सभा में कुछ प्रतिनिधित्व देने पर विचार कर सकती है।

विश्व हिंदी सम्मेलन

समाचार पत्रों में क्यों?

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को नांदी, फिजी में 12 वें विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में फिजी के राष्ट्रपति रातू विलिमे मैवालीली कातोनिवेरे भी मौजूद रहे।

त्वरित मुद्दा?

- 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन 15-17 फरवरी 2023 को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा फिजी सरकार के सहयोग से फिजी में किया जा रहा है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- फिजी के प्रमुख शहर नांदी में फिजी सरकार और भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से आयोजित इस सम्मेलन में दुनिया भर से हिंदी के करीब 1,200 विद्वान व लेखक भाग ले रहे हैं।

- 'देनाराउ कनवेंशन सेंटर' में तीन दिन चलने वाले सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान फिजी के राष्ट्रपति रातू विलीमे कटोनिवेरी के अलावा भारत सरकार में गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा तथा विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन भी मौजूद थे। इस मौके पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रपति कटोनि वेरी ने संयुक्त रूप से एक डाक टिकट भी जारी किया।

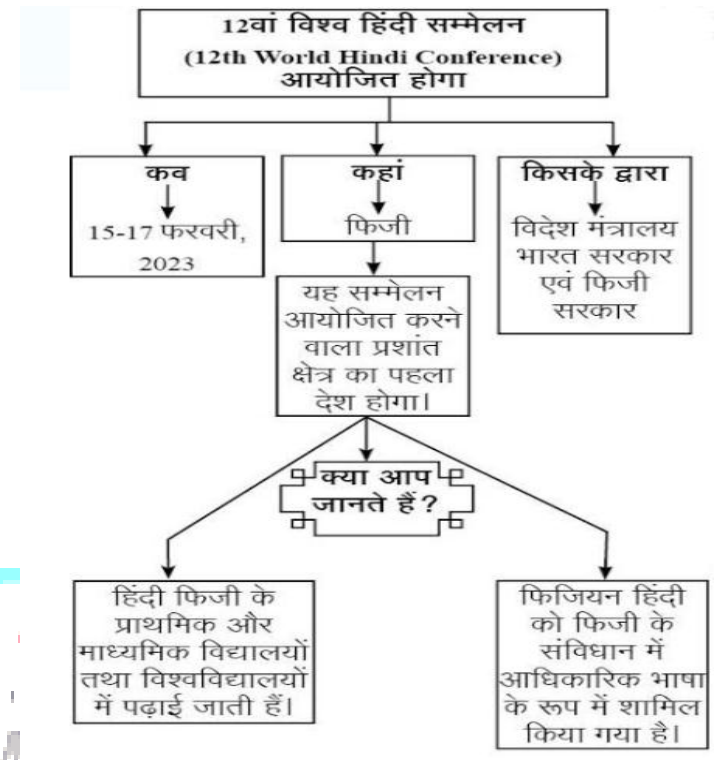

- हिंदी के प्रसार और प्रचार पर जोर देते हुए जयशंकर ने कहा कि ऐसी कई भाषाएं और परंपराएं जो औपनिवेशिक युग के दौरान दबा दी गई थीं, अब एक बार फिर वैश्विक मंच पर उभर रही हैं।
- परंपरा के अनुरूप सम्मेलन के दौरान भारत एवं अन्य देशों के हिंदी विद्वानों को हिंदी के क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए "विश्व हिंदी सम्मान" से सम्मानित किया गया।
- 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन के लिए उपयुक्त "लोगो" के चयन हेतु 75 हजार रुपए की राशि के पुरस्कार के साथ मंत्रालय द्वारा एक "लोगो " डिजाइन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।
- 12 वें विश्व हिंदी सम्मेलन का विषय: हिंदी- पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा तक।
- विश्व हिंदी सम्मेलन' हिंदी भाषा का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है, जिसमें विश्व भर से हिंदी विद्वान, साहित्यकार, पत्रकार, भाषा विज्ञानी, विषय विशेषज्ञ, शोधार्थी तथा हिंदी प्रेमी शामिल होते हैं।
- विश्व हिंदी सम्मेलन की यह यात्रा वर्ष 1975 से प्रारम्भ हुई। इसके आयोजन का विचार राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा द्वारा वर्ष 1973 में प्रस्तुत किया गया था। संकल्पना के फलस्वरूप, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के तत्वावधान में प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन 10 से 12 जनवरी 1975 को नागपुर, भारत में आयोजित किया गया था। प्रारम्भ में इस सम्मेलन का आयोजन हर चौथे वर्ष आयोजित किया जाता था लेकिन अब यह हर 3 वर्ष बाद आयोजित होता है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्देश्य

- विश्व हिंदी सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य हिंदी को विश्व स्तर पर प्रचारित और प्रसारित करना है, जिससे हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप स्थापित किया जा सके।
- प्रचार-प्रसार के साथ हिंदी को 'संयुक्त राष्ट्र संघ' तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने एवं अंतरराष्ट्रीय भाषा भाषा के रूप में हिंदी का संवर्धन और परीक्षण करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है।
- 11 वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन मॉरीशस में 18-20 अगस्त 2018 को हुआ था।

राष्ट्रीय आदि महोत्सव 2023

समाचार पत्रों में क्यों?

आदिवासी संस्कृति को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 फरवरी को नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 'आदि महोत्सव' का उद्घाटन किया । पीएम मोदी ने कहा, 'आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान आदि महोत्सव भारत की आदिवासी विरासत की भव्य तस्वीर पेश कर रहा है.' उन्होंने कहा कि देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है क्योंकि सरकार वंचितों के विकास को प्राथमिकता दे रही है।

त्वरित मुद्दा?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में मेगा नेशनल ट्राइबल फेस्टिवल आदि महोत्सव का उद्घाटन किया जो कि 16 से 27 फरवरी तक चलेगा।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- सरकार जनजातीय मास्टर शिल्प और महिलाओं को सीधे बाजार तक पहुंच उपलब्ध करवाने के मकसद से इस ‘आदि महोत्सव' का आयोजन कर रही है।
- इस महोत्सव में आदिवासी शिल्प, संस्कृति, व्यंजन और व्यापार से सीधे रूबरू होने का मौका मिलेगा।
- खास बात यह है कि 11 दिवसीय मेले में 28 राज्यों के लगभग 500 आदिवासी कारीगर और कलाकार शामिल होंगे।
- महोत्सव में आदिवासी हस्तशिल्प, हथकरघा, पेंटिंग, आभूषण, बेंत और बांस, मिट्टी के बर्तन, भोजन और प्राकृतिक उत्पाद, उपहार और वर्गीकरण, जनजातीय व्यंजन और 200 स्टालों के माध्यम से इसे प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनी-सह-बिक्री की सुविधा होगी।
- देश समेत विदेशी मार्केट को देखते हुए केंद्र सरकार के संगठन ट्राइफेड (TRIFED) जनजातीय उत्पादों में गुणवत्ता और समकालीन डिजाइन सुनिश्चित करने के लिए शीर्ष डिजाइनरों के साथ काम कर रहा है।
- बाजरा आदिवासी समुदायों का मुख्य आहार है और संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित किया है। इसी के तहत यहां पर जनजातीय बाजरा के उत्पादन और खपत को बढ़ाने के लिए जनजातीय कारीगरों को बाजरा यानी 'श्री अन्ना' उत्पादों और व्यंजनों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए आमंत्रित किया गया है।
- इसी को ध्यान में रखते हुए इस महोत्सव में 13 राज्यों के आदिवासी रसोइए मिलेट्स में जायके का तड़का भी लगाएंगे, जिसमें रागी हलवा, कोदो की खीर, मांडिया सूप, रागी बड़ा, बाजरा की रोटी, बाजरा का चुरमा, मडुआ की रोटी, वा रोटी, भेल, कश्मीरी रायता, इत्यादि शामिल हैं।

मुंबई बना दुनिया का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर

समाचार पत्रों में क्यों?

ग्लोबल एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) पर काम करने वाली स्विट्जरलैंड की एक एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग कंपनी की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि मुंबई दुनिया का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर है।

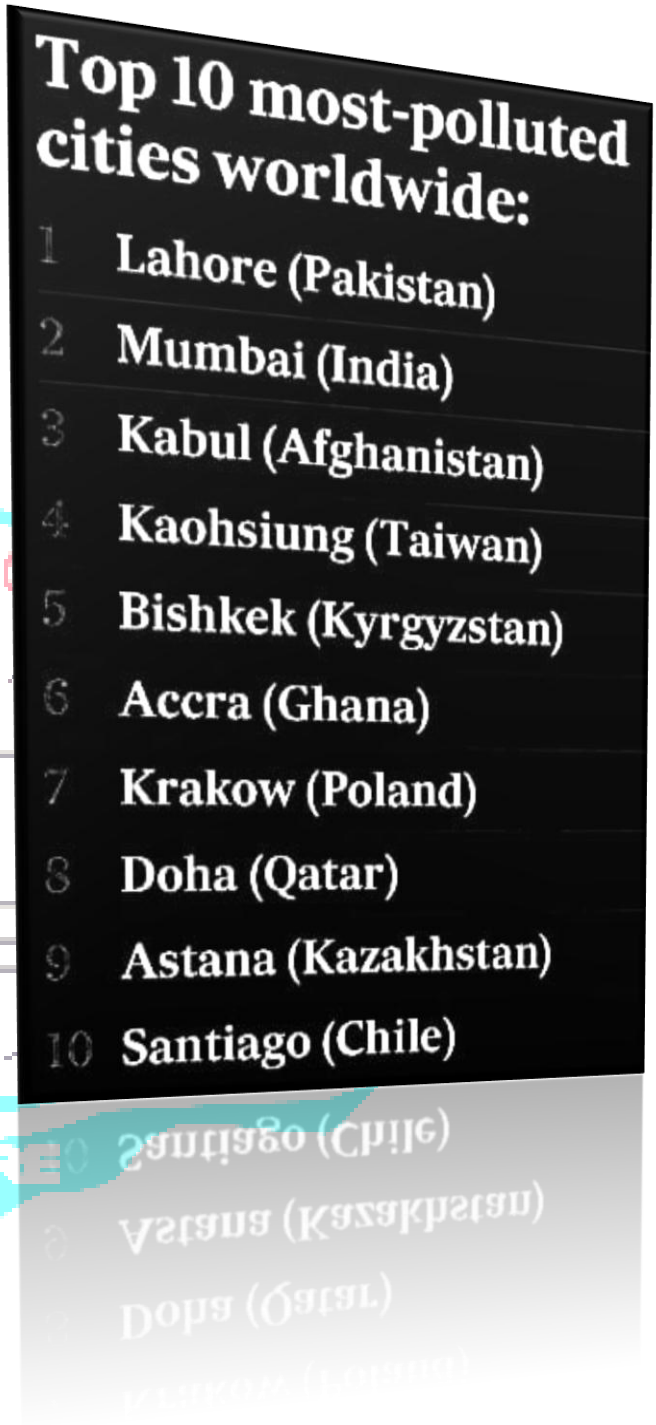

त्वरित मुद्दा?

- दिल्ली (Delhi) प्रदूषण के मामले में अब मुबंई से पीछे छूट गई है। भारत के सबसे प्रदूषित शहरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आने वाली आर्थिक राजधानी अब पहले स्थान पर पहुंच गई है। स्विस एयर ट्रैकिंग इंडेक्स (IQAir) के अनुसार, 29 जनवरी से 8 फरवरी के बीच मुंबई दुनिया का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर था। 29 जनवरी को मुंबई, IQAir रैंकिंग में दसवें नंबर पर था। हालांकि दिल्ली टॉप-10 की लिस्ट से बाहर हो गया है।
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक इस साल मुंबई में 'खराब' और 'बेहद खराब' दिन पिछली 3 सर्दियों की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा थे। शोध के अनुसार, मुंबई की हवा में 71% से अधिक पार्टिकुलेट मैटर लोड का कारण निर्माण की धूल है। जबकि, अन्य स्रोत में कारखाने, बिजली संयंत्र आदि शामिल हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- पाकिस्तान का लाहौर दुनियां का सबसे प्रदूषित शहर है। जबकि काबुल तीसरे स्थान पर है।
- दुनिया का सबसे साफ शहर अमेरिका का साल्टलेक है। साल्टलेक का एयर क्वालिटी इंडेक्स 0 है। यह दुनिया का सबसे स्वच्छ शहर है। ।
- सैन फ्रांसिस्को दुनिया में दूसरे नंबर का सबसे स्वच्छ शहर है। यहां का एयर क्वालिटी इंडेक्स सिर्फ 4 है। भारत में इसकी तुलना में कोई जगह ही नही हैं।
- IQAir के मुताबिक 29 जनवरी को मुंबई को सबसे Poorest स्थान की रैंकिंग में 10वां स्थान मिला था। अगले दिनों में गिरने से पहले मुंबई ने 2 फरवरी को दूसरा स्थान हासिल किया। फिर यह 8 फरवरी को फिर से दूसरे स्थान पर पहुंच गया, 13 फरवरी को मुंबई ने भारत में सबसे प्रदूषित शहर के रूप में दिल्ली को पीछे छोड़ दिया।

- राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (NEERI) और IIT बॉम्बे के 2020 के शोध के अनुसार मुंबई की हवा में 71% से अधिक पार्टिकुलेट मैटर लोड का कारण सड़क या निर्माण की धूल है। कारखानों, बिजली संयंत्रों, हवाई अड्डों और कचरे के ढेर ने मुंबई की हवा को सांस लेने के लिए सबसे गंदी बनाने में योगदान दिया।

अन्य प्रमुख तथ्य?

IQAir क्या है?

- स्विस एयर ट्रैकिंग इंडेक्स IQAir, UNEP और ग्रीनपीस के साथ एक कोलेबरेशन के साथ बनाया गया है।
- ये भारत में भी एयर क्वालिटी की जांच करता है। भारत में IQAir सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड का डाटा इस्तेमाल करता है। ये एयर क्वालिटी को "healthy", "unhealthy" और "hazardous" जैसी कैटेगरी में रखता है।
- IQAir नियमित रूप से SAFAR के सभी 9 एयर क्वालिटी विजिलेंस स्टेशन से डेटा रिसीव करता है। यही संस्था अपनी वेबसाइट पर वर्ल्ड रैंकिंग की एक लिस्ट तैयार करती है।

INDORE